an>

Title: Need to provide compensation to the people affected by the recent cyclonic storm in Purnia and Madhepura areas of Bihar.

श्री संतोष कुमार (पूर्णिया) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। बिहार के पूर्णिया, सीमांचल एवं कोसी क्षेत्र में 21.04.2015 को रात्रि दस बजे भयंकर रूप से आए चक्रवाती तूफान से पूर्णिया जिले में अत्यधिक जान और माल की क्षति हुई है। इन जिलों में लगभग 40 से 50 लोगों की मृत्यु हुई है। पूर्णिया में तूफान के कारण टीन और फूस से बने घर ताश के पत्तों की तरह ढह गये और सबसे ज्यादा डगरुवा क्षेत्र में 22 लोगों की जान गई हैं, बगल के जिला मधेपुरा में भी सात लोगों की जान गई हैं और बिहार के अन्य भागों में भी कुछ जानें गई हैं। तत्पश्चात इसकी जानकारी राज्य सरकार को मिली और माननीय मुख्य मंत्री ने 22.04.2015 को हवाई सर्वेक्षण कर हालात की जानकारी ली और राहत तथा बचाव कार्य में तेजी आई। केन्द्र सरकार को इस बारे में माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया और केन्द्र सरकार के माननीय गृह मंत्री जी ने भी वहां का दौरा कर इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि कच्चे और टीन के मकानों का सर्वेक्षण कराकर उनके स्थान पर पक्के मकानों का निर्माण कराया जाए। फसल की क्षति के कारण किसान आत्महत्या करने पर उतारू हैं। इसलिए सरकार द्वारा किसानों की ऋण माफी का कदम जल्द से जल्द उठाया जाए, ताकि किसानों की आत्महत्या पर विराम लग सके। इस सदी के सबसे भयंकर तूफान ने पूर्णिया और कोसी को झकझोर कर रख दिया है।

महोदय, मैं सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से विनती कराना चाहता हूं कि पीड़ित परिवारों की जिंदगी को पटरी पर लाने के लिए उन्हें पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। धन्यवाद।